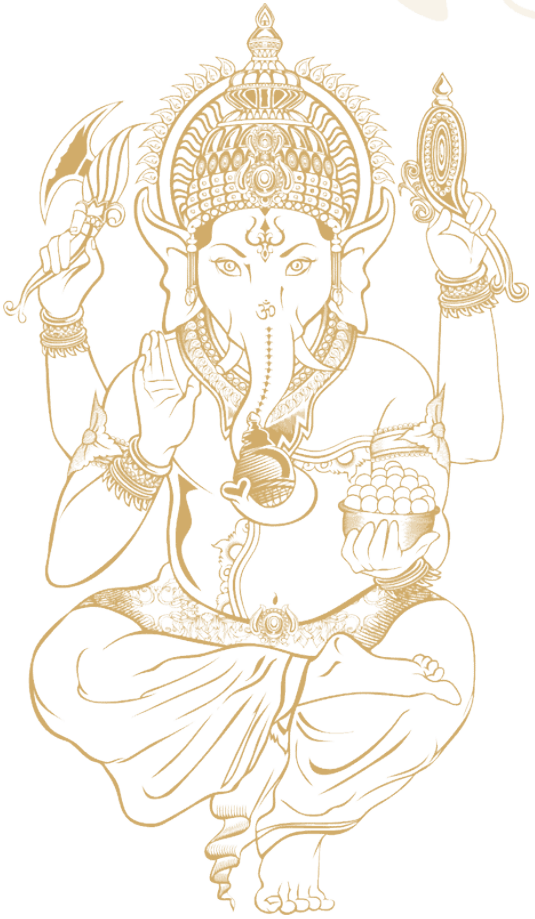

Harish Kumar

22 Feb 1986

03:30 PM

Panipat

Model: web-freekundliweb

Order No: 121380706

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**22/02/1986**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**15:30:00 घंटे**
इष्ट	21:25:56 घटी
स्थान	**Panipat**
राज्य	Haryana
देश	India

अक्षांश	29:24:00 उत्तर
रेखांश	76:58:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:22:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	15:07:52 घंटे
वेलान्तर	-00:13:36 घंटे
साम्पातिक काल	01:15:56 घंटे
सूर्योदय	06:55:37 घंटे
सूर्यास्त	18:16:08 घंटे
दिनमान	11:20:31 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	09:49:30 कुम्भ
लग्न के अंश	05:15:56 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	**कर्क - चन्द्र**
नक्षत्र-चरण	**पुष्य - 3**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	सौभाग्य
करण	तैतिल
गण	देव
योनि	मेष
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	मेष
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	हो-होशियार
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	05:15:56	306:14:10	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	शनि	---
सूर्य			कुंभ	09:49:30	01:00:24	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	गुरु	शत्रु राशि
चंद्र			कर्क	12:34:24	12:59:26	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	मंगल	स्वराशि
मंगल			वृश्चि	18:02:55	00:34:11	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	स्वराशि
बुध			कुंभ	25:59:29	01:34:19	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	केतु	सम राशि
गुरु		अ	कुंभ	06:45:30	00:14:24	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	राहु	सम राशि
शुक्र			कुंभ	17:57:33	01:15:00	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	सूर्य	मित्र राशि
शनि			वृश्चि	15:31:10	00:02:29	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	गुरु	शत्रु राशि
राहु	व		मेष	08:05:44	00:10:25	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	गुरु	शत्रु राशि
केतु	व		तुला	08:05:44	00:10:25	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	राहु	सम राशि
हर्ष			वृश्चि	28:13:56	00:01:43	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	---
नेप			धनु	11:37:02	00:01:24	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	---
प्लूटो	व		तुला	13:38:48	00:00:29	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	बुध	---
दशम भाव			मीन	26:53:26	--	रेवती	--	27	गुरु	बुध	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:39:41

लग्न-चलित

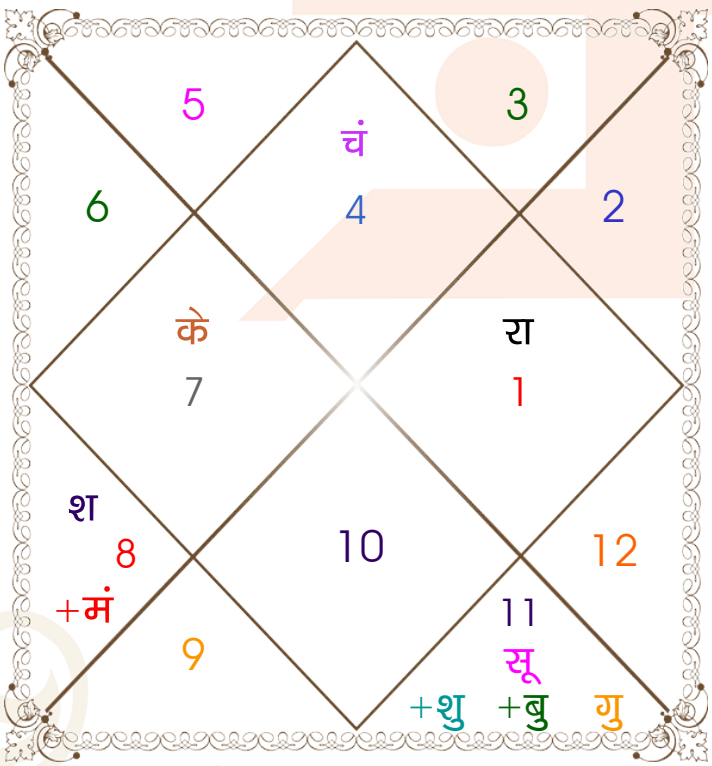

चन्द्र कुंडली

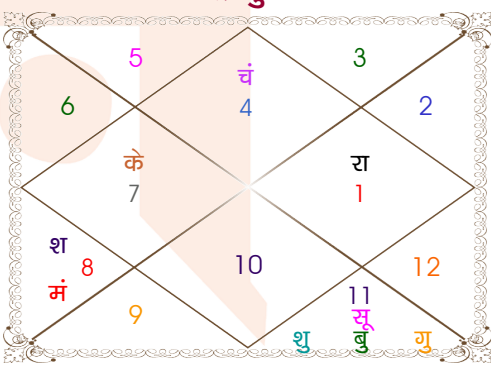

नवमांश कुंडली

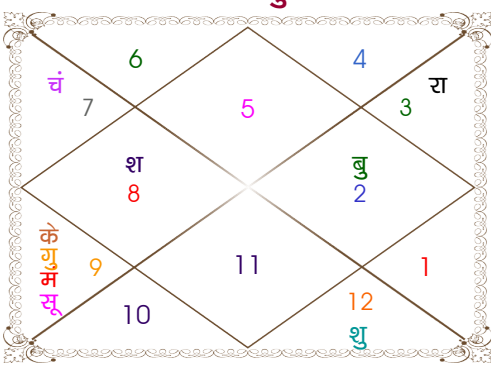

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 5 वर्ष 9 मास 30 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
22/02/1986		24/12/1991		23/12/2008		24/12/2015		24/12/2035	
24/12/1991		23/12/2008		24/12/2015		24/12/2035		23/12/2041	
	00/00/0000	बुध	21/05/1994	केतु	21/05/2009	शुक्र	24/04/2019	सूर्य	11/04/2036
	00/00/0000	केतु	18/05/1995	शुक्र	21/07/2010	सूर्य	23/04/2020	चंद्र	11/10/2036
	00/00/0000	शुक्र	18/03/1998	सूर्य	26/11/2010	चंद्र	23/12/2021	मंगल	16/02/2037
	00/00/0000	सूर्य	23/01/1999	चंद्र	27/06/2011	मंगल	22/02/2023	राहु	10/01/2038
	00/00/0000	चंद्र	23/06/2000	मंगल	23/11/2011	राहु	22/02/2026	गुरु	30/10/2038
	22/02/1986	मंगल	20/06/2001	राहु	11/12/2012	गुरु	23/10/2028	शनि	12/10/2039
मंगल	05/08/1986	राहु	08/01/2004	गुरु	17/11/2013	शनि	24/12/2031	बुध	17/08/2040
राहु	11/06/1989	गुरु	15/04/2006	शनि	26/12/2014	बुध	23/10/2034	केतु	23/12/2040
गुरु	24/12/1991	शनि	23/12/2008	बुध	24/12/2015	केतु	24/12/2035	शुक्र	23/12/2041

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
23/12/2041		24/12/2051		23/12/2058		23/12/2076		23/12/2092	
24/12/2051		23/12/2058		23/12/2076		23/12/2092		00/00/0000	
चंद्र	23/10/2042	मंगल	21/05/2052	राहु	05/09/2061	गुरु	10/02/2079	शनि	27/12/2095
मंगल	25/05/2043	राहु	08/06/2053	गुरु	29/01/2064	शनि	23/08/2081	बुध	05/09/2098
राहु	22/11/2044	गुरु	15/05/2054	शनि	05/12/2066	बुध	29/11/2083	केतु	15/10/2099
गुरु	24/03/2046	शनि	24/06/2055	बुध	23/06/2069	केतु	04/11/2084	शुक्र	15/12/2102
शनि	24/10/2047	बुध	20/06/2056	केतु	12/07/2070	शुक्र	06/07/2087	सूर्य	27/11/2103
बुध	24/03/2049	केतु	16/11/2056	शुक्र	12/07/2073	सूर्य	23/04/2088	चंद्र	28/06/2105
केतु	23/10/2049	शुक्र	16/01/2058	सूर्य	05/06/2074	चंद्र	23/08/2089	मंगल	23/02/2106
शुक्र	24/06/2051	सूर्य	24/05/2058	चंद्र	05/12/2075	मंगल	30/07/2090		00/00/0000
सूर्य	24/12/2051	चंद्र	23/12/2058	मंगल	23/12/2076	राहु	23/12/2092		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 5 वर्ष 9 मा 11 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पुष्यनक्षत्र के प्रथम चरण में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर कर्क लग्न के साथ-साथ सिंह राशि का नवमांश एवं कर्क राशि का ही द्रेष्काण उदित था। जिससे यह संकेत मिलता है कि आप संतुलित ढंग से स्वस्थ्य रहकर, आनन्ददायक सुव्यवस्थित एवं उत्तम पारिवारिक जीवन बिताएंगे। आप विद्वान एवं सामाजिक प्रभाव से आदरणीय समझे जाएंगे। आप सुखद एवं मधुरतम जलीय यात्रा करेंगे। आप के जीवन के 36 वें वर्ष से सुन्दर और भाग्यशाली मार्ग प्रशस्त होंगे।

आपमें यह गुण विद्यमान है कि आप अपनी आवश्यकताओं को नियंत्रित रख कर उपयोगिता को पसन्द करते हो। आप विश्वासपूर्ण भावनाओं से विभिन्न प्रकार से अन्य लोगों की सहायता करोगे। आप धर्मशास्त्र एवं दर्शनशास्त्र का अध्ययन करोंगे तथा भगवान के प्रति समर्पित आस्थावान होंगे। आपको धर्मस्थलों/धार्मिक तीर्थों का भ्रमण करने का सौभाग्य प्राप्त होगा एवं परोपकारी सेवक बन कर सामाजिक कार्य करेंगे। आप दुर्भावनाओं को त्यागकर, धन संचय करने की महत्त्वकांक्षा से प्रेरित रहेंगे। यह संभव है कि आप सभी प्रकार से परिवारिक सदस्यों की सुख सुविधा की व्यवस्था करेंगे।

आप शारीरिक रूप से लम्बे, उन्नत ललाट एवं सुस्पष्ट आँखों से युक्त होंगे। आपकी मनोवृत्ति क्षमतानुसार एवं अवस्थानुसार अग्रसर होगी। आप उन्नति के लिए एक कड़ी के साथ-साथ दूसरी कड़ी भी प्रारम्भ कर सकते हैं।

आपमें ऐसा गुण एवं सामंजस्य विद्यमान है कि आप जन-सामान्य की भावना को तथा परिस्थितियों को विधिवत समझ कर उचित सामंजस्य कर देते हो। परन्तु आप बहुत अधीर हो जाते हो। परिणाम स्वरूप आपका स्वभाव विकृत होकर, हानिप्रद प्रमाणित हो जाता है। यह आवेग क्षणिक है, तथापि शीघ्रतापूर्वक शान्त होकर तेजी से समान्य मनोवृत्ति ग्रहण कर लेते हैं।

आप धनोपार्जन हेतु कुछ विभिन्न प्रकार की पद्धति एवं उपायों का अनुसरण कर लेते हैं। यह सुनिश्चित है कि सतत आप में अन्तर्वाही चतुरता विद्यमान रहेगी।

आपको अपने रोमांचित जीवन के प्रति सचेत रहना चाहिए। आप पूर्णरूपेण उदासीन भाव से अपनी पत्नी से सम्बंधित रहेंगे। बल्कि आप उदासीन रहकर अपना पारिवारिक जीवन बिताएंगे।

आप अपना विवाह सुयोग्य गृहणी के साथ करने की प्राथमिकता देंगे ताकि अच्छे सन्तान का उद्भव हो सके। लेकिन आपके लिए उत्तम तो यह है कि अपनी दिनचर्या स्पष्ट रखें तथा अपना घरेलू जीवन, जीवन संगीनी के लिए आलोचनात्मक न बन सके।

कर्क राशीय प्रवृति के अनुसार आपके स्वभानुकूल वह प्राणी होगा जिसका जन्म मीन अथवा वृश्चिक लग्न राशि में हुआ हो। आपके किशोरावस्था के लिए रोजगार, व्यवसाय अथवा अनुकूल पेशा-वृति नौसेना, सामुदायिक व्यवस्था आयात-निर्यात सिचाई एवं कृषि कार्य उत्तम रहेगा।

संभवतः आपका स्वास्थ्य एवं जीवन अक्षुण नही रहेगा। परन्तु अवस्था की वृद्धि के अनुसार समस्याएँ सुधर कर उत्तम हो जाएगी। आप सदैव ही चिन्तित एवं कुतुहलयुक्त (घबराहट) रहेंगी। अतः आप इन प्रवृतियों को त्याग कर शान्तिपूर्वक रहे और खान-पान पर नियंत्रण रक्खें। मद्यपान का सर्वथा त्याग करे।

आपको कतिपय रोग जैसे गैसस्टिक, अलसर खाँसी सम्बंधी गड़बड़ी एवं गठिया सन्धिबात रोगादि से रक्षित रहना चाहिए।

आपके लिए रंग पीला, लाल, एवं सफेद रंग अनुकूल है। यह समझ लें कि रंग हरा एवं ब्लू रंग आपके लिए प्रतिकूल है।

आपके लिए अंक 4 एवं 6 अंक अनुकूल एवं प्रभावशाली है। परन्तु अंक 3 एवं 5 अंक आपकी उपयोगिता के प्रतिकूल है। अस्तु इनका त्याग करें।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।